केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 206 मंगलवार 17 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दहेज हत्या मामले में तीन को कारावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में दहेज हत्या के एक मामले में न्यायालय ने तीन अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए कठोर कारावास की सजा सुनाई है। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के बाद यह फैसला आया है। एक अभियुक्त को 14 वर्ष और दो अन्य को 10–10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा दी गई है।

यह मामला सोनहा थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में दर्ज किया गया था। वादी की तहरीर पर पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था।

पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह के निर्देश पर पैरवी सेल और सोनहा थाना पुलिस ने साक्ष्यों और गवाहों को प्रभावी ढंग से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष संख्या–01 बस्ती की अदालत में हुई। सोमवार को न्यायालय ने अभियुक्त सुरजीत पुत्र केशवराम को 14 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।वहीं, केशवराम पुत्र नोखई और मुन्नू देवी पत्नी केशवराम को 10–10 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया। तीनों अभियुक्तों पर 15–15 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, विवाहिता की मृत्यु दहेज उत्पीड़न के कारण हुई थी। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इसे दहेज हत्या माना और दोषियों को सजा सुनाई।

72 वर्षीय वृद्धा की हत्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाना क्षेत्र के हरिगांव में रविवार को 72 वर्षीय वृद्धा की हत्या से सनसनी फैल गई। वृद्धा का शव उनके घर के बाहर खून से लथपथ हालत में मिला था। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिगांव निवासी केवला देवी (72) पत्नी मालिक राम का शव रविवार सुबह उनके घर के बाहर मृत अवस्था में पाया गया। उनके शरीर के पास काफी मात्रा में खून बिखरा हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और पुलिस को सूचित किया गया।

सूचना मिलने पर परसरामपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की बेटी रेशमा पत्नी धर्मेंद्र, निवासी सादीजोत, थाना भवानीगंज, जनपद सिद्धार्थनगर की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत ने बताया कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है।

लावारिस हालत में मिले दो बच्चे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कुसौरा बाजार में बीती रात को दो बच्चे लावारिस हालत में मिले। कलवारी पुलिस ने सोशल मीडिया की मदद से उनके परिजनों का पता लगाया और बच्चों को सकुशल उनके दादा–दादी को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे मेला देखने आए थे और अपने परिवार से बिछड़कर कुसौरा बाजार पहुंच गए थे। स्थानीय लोगों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनके परिजन नहीं मिले। इसके बाद कलवारी पुलिस को सूचना दी गई।

थाना कलवारी पुलिस बच्चों को थाने ले आई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सोशल मीडिया और अन्य ग्रुपों पर बच्चों की तस्वीरें साझा कीं। इसके बाद बच्चों की पहचान मोहम्मद अली और अरसिया (दोनों की उम्र 3 वर्ष) के रूप में हुई।बच्चों के पिता जीशान पुत्र असलम खान विदेश में रहते हैं। बच्चे अपनी मां, दादा असलम खान और दादी आबिदा खातून के साथ गोविंदापुर, थाना कलवारी, जनपद बस्ती में रहते हैं।

विपक्ष से सदाचार की उम्मीद करना बेवकूफी

लखनऊ (आभा)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा हंगामा किये जाने की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे न सिर्फ प्रदेश के संवैधानिक प्रमुख का बल्कि एक नारी का भी अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा की ओर से किया गया हंगामा न सिर्फ लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के दायरे में भी आता है।

मुख्यमंत्री ने विधानपरिषद में अपने संबोधन में कहा कि विपक्ष से सदाचार की अपेक्षा करना 'बेवकूफी' होगी। योगी ने नौ फरवरी को विधानमंडल के समवेत सदन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल सपा के सदस्यों द्वारा किये गये हंगामे का जिक्र करते हुए कहा, 'ऐसा करके न सिर्फ प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख का, बल्कि एक नारी का भी अपमान हुआ है। यह न केवल लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के दायरे में भी आता है।'

यूजीसी के नये नियमों के विरोध में मेधा का धरना छठवें दिन भी जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय के नेतृत्व में गांधी कला भवन के स्थित बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना पिछले 6 दिनों से जारी है। मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक यूजीसी का भेदभाव पैदा करने वाला कानून वापस नहीं लिया जाता मेधा का आन्दोलन जारी रहेगा।

6 दिनों से अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा परिसरों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नए नियमों के विरोध में अनिश्चित कालीन धरना बापू प्रतिमा के समक्ष लगातार 6 दिनों से जारी है। यूजीसी का यह निर्णय छात्रों को जातियों में बांटने वाला है जो खतरानाक है।

बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना के छठवे दिन मुख्य रूप से सूर्य कुमार शुक्ल, अभदेव शुक्ल, रामरीका पाण्डेय, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', वृजेश द्विवेदी, राकेश कुमार पाण्डेय, सन्तोष शुक्ल, रवि कुमार शुक्ल, कृपाशंकर त्रिपाठी, विनोद तिवारी, रामकृष्ण, मोनू दूबे, अमर उपाध्याय, पदुमनाथ सिंह, महेन्द्रनाथ पाण्डेय, संजय, हरिगोविन्द मिश्र, सचिन त्रिपाठी, अजय पाण्डेय, शुभम पाण्डेय, आदर्श सिंह आदि शामिल रहे।

ब्राह्मण समाज पर विवादित टिप्पणी करने वाले के विरूद्ध नामजद मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ब्राह्मण समाज पर विवादित टिप्पणी और अपशब्द कहने पर प्रमोद यादव पुत्र रमाकांत यादव निवासी पिपरा हिक्कका के विरूद्ध ब्राह्मण महासभा जिलाध्यक्ष नवीन दूबे और राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा अध्यक्ष रामजी पाण्डेय के पहल पर वाल्टरगंज पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया है। नवीन दूबे और रामजी पाण्डेय ने थानाध्यक्ष से कहा कि ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी करने वाले प्रमोद यादव को तत्काल गिरफ्तार किया जाय जिससे भविष्य में कोई इस प्रकार का दुस्साहस न कर सके।

वाल्टरगंज थाने पर मौजूद ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशन्त पाण्डेय, सहारा संघर्ष समिति के अध्यक्ष अभयदेव शुक्ला, ब्राह्मण महासभा के जिला उपाध्यक्ष उपेन्द्र शुक्ल, अंकित त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा, पंडित राम कृष्ण मोनू दुबे, अंकित त्रिपाठी, ओम प्रकाश ओझा, प्रियंक शुक्ला, मनीष तिवारी यशवंत तिवारी, संतोष शुक्ला, संजय शुक्ला, राजन पाण्डेय, सोनू चौबे,विपुल पाण्डेय, योगेश पाण्डेय , निखिलेश पाण्डे, बृजेश शुक्ला, ऋषि पाल सिंह,राजन पाण्डेय, लालजी शुक्ल, सोनू उपाध्याय, मंटू दूबे, सौरभ दुबे, पवन मिश्रा, विभोर पाठक, सनी पाठक, शिव प्रकाश मिश्रा आदि लोगों ने समाज मे ऐसे कृत्य करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग किया।

बिछुडे मिले माध्यम शिविर में 49 बच्चों अपनों से मिलाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में श्री भद्रेश्वरनाथ शिव मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व पर संचालित 'बिछुडे मिले माध्यम शिविर' में 49 बच्चों के साथ ही अनेक बिछड़ो को उनके परिजनों से मिलाया गया। जय प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि रोते बिलखते बच्चों को चेहरों पर जब मुस्कान आती है तो परिश्रम सफल हो जाता है। कहा कि अभिभावक मेले में आने से पूर्व बच्चों की जेब में नाम, पता की पर्चियां डाल दें तो बिछड़ो को मिलाना आसान हो जाता है। डा. वी. के वर्मा, ने शिविर में पहुंचकर जय प्रकाश गोस्वामी का हौसला बढाया। कहा कि पिछले 34 वर्षो से खोया पाया शिविर का संचालन करना बड़ी उपलब्धि है। शिविर में बच्चों के नाम को प्रसारित किया गया जहां से परिजन उनको लेकर गये।

भाजपा नेता सिद्धार्थशंकर मिश्र ने कहा कि खोया पाया शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 34 वर्षो से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है। बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है।

शिविर के संचालन में मुख्य रूप से भाजपा नेता अंकुर वर्मा, सपा नेता ब्रजेश मिश्र, प्रदीप सिंह पिकूं, नवीन दूबे, अनिल दूबे, ब्रम्हदेव यादव देवा, बालकृष्ण तिवारी पिकूं, आलोक सिंह अंशू, महेन्द्र प्रताप चौधरी, अमित कुमार सिंह, राजेश्वर तिवारी, महेन्द्र सिंह, प्रिन्स शुक्ला, कौशल शुक्ल, सुभाष चन्द्र जायसवाल, भूपेन्द्र चौधरी, विश्वनाथ जायसवाल, कौशल कुमार पाण्डेय, विजय प्रकाश गोस्वामी, रविशंकर शुक्ल, गुड्डू पाण्डेय, बब्लू तिवारी, राम अधार पाल आदि ने योगदान दिया।

मटका रेस्टोरेन्ट के उद्घाटन अवसर पर जरूरतमंदों को कराया निःशुल्क भोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने पटेल चौक के निकट मटका रेस्टोरेन्ट का फीता काटकर उद्घाटन किया। कहा कि खान पान की शुद्धता जरूरी है। यह अच्छा कदम है कि नई पीढी अपने पुराने खान –पान की ओर लौट रही है। विशिष्ट अतिथि अशोक मिश्र, अनूप मिश्र ने कहा कि मटके में भोजन के अनेक प्राकृतिक लाभ हैं। अब बस्ती के लोग इसका आनन्द ले सकेंगे।

मटका रेस्टोरेन्ट के प्रोपराइटर प्रदीप कुमार, रवि उपाध्याय द्वारा उद्घाटन अवसर पर जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन कराया गया। बताया कि रेस्टोरेन्ट की प्राथमिकता लोगों को उच्च गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराना है।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से रविकान्त दूबे, सोमनाथ, रवि तिवारी, आशीष चौधरी, अंकित चौधरी, शुभम यादव, अजीत मिश्र आदि उपस्थित रहे।

गांधी चबूतरे को अतिक्रमण से मुक्त कराने, बापू की प्रतिमा लगाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक सुनील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कांग्रेस सेवादल का पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी से मिला और वाल्टरगंज में स्थित गांधी चबूतरे को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ ही गांधी प्रतिमा लगाये जाने की मांग की है।

जिलाधिकारी को सौंपे मांगपत्र में कहा गया है कि मौजा श्रीपालपुर में स्थित वाल्टरगज बाजार थाना वाल्टरगंज, तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती में रेलवे लाइन के उत्तर तरफ पक्की सड़क के पश्चिम गांधी चबूतरा जो देश की आजादी के पहले का बना हुआ है जिसे कुछ लोगों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था तथा अतिक्रमण भी कर लिया गया है इस सम्बन्ध में कांग्रेस सेवादल द्वारा दिनांक 28.12.2023 को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया था जिस पर खण्ड विकास अधिकारी बस्ती सदर ने जांच करके अपने पत्रांक 3208 दिनांक 30.01.2024 के रिपोर्ट में कहा गया कि गांधी चबूतरा काफी जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पाया गया तथा स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया जिसे ग्राम पंचायत की पूरक कार्ययोजना में शामिल करके धनराशि तथा मूर्ति उपलब्ध होने पर नियमानुसार पूर्ण निर्माण कार्य करा दिया जायेगा। परन्तु जांच रिपोर्ट लगे हुए लगभग 3 वर्ष पूरा हो रहा है परन्तु अभी तक न तो गांधी चबूतरे का निर्माण कराया गया न तो गांधी प्रतिमा स्थापित हुई, इससे कांग्रेस सेवा दल के सदस्यों एवं पदाधिकारियों में काफी रोष है। ऐसी दशा में गांधी चबूतरे का निर्माण करवाकर गांधी जी की मूर्ति स्थापित कराया जाना न्यायहित में आवश्यक है। मांग की गयी है कि जीर्ण–शीर्ण चबूतरे को बनवाकर गांधीजी की प्रतिमा स्थापित करायी जाय।

प्रतिनिधि मण्डल में पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शीतला प्रसाद शुक्ल, कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष विधि विभाग, प्रदीप पाण्डेय, पूर्व जिला मुख्य संगठक पृथ्वीपाल चौधरी, पूर्व जिला मुख्य संगठक गंगा प्रसाद मिश्र, जिला महासचिव कांगेस सेवादल सुरेश प्रसाद शुक्ल, राजेश चौधरी, डी०एन० शास्त्री, कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष लक्ष्मी यादव आदि शामिल रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया सरदार बल्लभ भाई पटेल स्मृति पार्क का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा, ने सभासदों के साथ सरदार बल्लभ भाई पटेल स्मृति पार्क का उद्घाटन किया। कहा कि कुंआनो तट के निकट स्थित इस पार्क में ओपेन जिम आदि की अत्याधुनिक मशीने लगायी गयी है। इससे जहां लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा वहीं लोग पार्क में शान्ति का आनन्द ले सकेंगे।

नगर पालिकाध्यक्ष नेहा वर्मा ने उद्घाटन के बाद बताया कि पार्क में लोगों को टहलने के लिये ट्रैक बनाया गया है। अति शीघ्र बच्चों के लिये झूला लगवाया जायेगा। पार्क में सभी आवश्यक सुविधायें नागरिकों को उपलब्ध करायी जायेगी ।

भाजपा नेता अंकुर वर्मा, ने कहा कि पटेल स्मृति पार्क का चरणबद्ध ढंग से विकास किया गया है। वार्ड नम्बर 13 महरीखांवा में स्थित यह पार्क निश्चित रूप से लोगो के आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से सभासद विद्यावती देवी , निर्मला यादव ,प्रफुल्ल श्रीवास्तव , मोहम्मद इदरीश, कृष्ण कुमार पाण्डेय उर्फ सोनू, रामसनेही यादव , राजन ठाकुर , पंकज चौधरी , रमेश गुप्ता , सुभाष श्रीवास्तव , जीवन चौधरी लारा ,कृष्णा चौधरी , मोहम्मद आमिर , महेंद्र सोनकर , मोहम्मद अयूब , जेई निर्माण सिविल अर्पित निगम , विवेक श्रीवास्तव , विक्रम चौहान , गणेश श्रीवास्तव , रमेश श्रीवास्तव , दीपक गौड़ , पार्थ श्रीवास्तव , सूरज गुप्ता , अभिलाष श्रीवास्तव के साथ ही विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

यूजीसी के नये नियमो के समर्थन में विचार गोष्ठी, 67 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत कप्तानगंज के अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी ई. चन्द्रशेखर वर्मा और जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौधरी उर्फ शाका के संयोजन में कप्तानगंज चौराहे के निकट पिकौरासानी में यूजीसी के नये नियमो के समर्थन में विचार गोष्ठी और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुल 67 लोगों ने दूसरों का जीवन बचाने के लिये अपना रक्त दिया।

विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि पूर्व आई.पी.एस. डा. वी.पी. अशोक ने कहा कि नया यूजीसी एक्ट ओबीसी, एससी–एसटी, महिला एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों के हित में है। यह अधिनियम शिक्षा में समान अवसर, पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सहायक है। यूजीसी अधिनियम को बिना किसी संशोधन के पूरी तरह लागू किया जाए, ताकि सभी वर्गों को इसका समुचित लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कबीर मठ अयोध्या के महन्थ उमाशंकर दास, सरदार सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी बृजेश पटेल, विवेक ब्रम्हचारी ने कहा कि आयोग की नीतियां सामाजिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये संविधान में निहित समानता और शिक्षा के अधिकार को सशक्त करती हैं, साथ ही राष्ट्र निर्माण में शिक्षित युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करती हैं। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार अवसर मिलते हैं। यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में कारगर होगा, उसे लागू किया जाय। विचार गोष्ठी को क्योर मल्टी स्पेशलिस्ट हासिपटल के चेयरमैन डा. राजेश पटेल, सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, समाजसेवी अरविन्द आर्या, चन्द्रगुप्त मौर्य, संदीप निषाद आदि ने सम्बोधित किया। कहा कि यूजीसी भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, समान अवसर, पारदर्शिता और शैक्षणिक मानकों को बनाए रखना है। यूजीसी द्वारा निर्धारित नीतियां और दिशा–निर्देश समाज के सभी वर्गों के छात्रों को लाभ पहुंचाने का कार्य करते हैं। ऐसे में नये नियम बहु उपयोगी है।

नगर पंचायत कप्तानगंज के अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी ई. चन्द्रशेखर वर्मा और जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौधरी उर्फ शाका, ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये कहा कि यूजीसी के नये नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाय जिससे भेदभाव दूर हो।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य राजेश पटेल, बसन्त चौधरी, दिनेश पटेल, पिन्टू चौधरी, सुभाष चौधरी, अखिलेश चौधरी, विजय चौधरी, प्रधान संघ कप्तानगंज के अध्यक्ष मनीष चौधरी, रामस्वारथ चौधरी, प्रदीप गौतम, संजय मौर्य, संदीप निषाद, कृष्णा आजाद, शिवम आजाद, रामपूरन चौधरी, विजय चौधरी, अनिल, इबरार अहमद, अभय पटेल, हरिश्चन्द्र शर्मा, अभिषेक चौधरी, आकाश पटेल, अनिल प्रजापति, कृष्ण मुरारी, अखिलेश सोनी, डी.के.वर्मा, धनन्जय, शनि सूर्यबंशी आदि उपस्थित रहे।

नैतिक, मानवीय मूल्यों का विकास विषय पर एक दिवसीय सेमिनार में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को छात्रों में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों का विकास विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। सेमिनार में जनपद के समस्त विकासखंडों से कुल 45 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया तथा निर्धारित विषयों पर अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने विद्यालयी जीवन में नैतिक मूल्यों के व्यवहारिक क्रियान्वयन, सामाजिक उत्तरदायित्व, सहानुभूति, अनुशासन एवं जीवन कौशल के महत्व पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ता शिव हर्ष किसान पी०जी० कॉलेज की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) रीना पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि नैतिक शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का विषय नहीं, बल्कि जीवन पद्धति है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनें और व्यवहार के माध्यम से मूल्यों का संचार करें।

विशिष्ट वक्ता डॉ० राजेश सिंह और ओम प्रकाश आर्य ने भारतीय संस्कृति एवं साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है। दोनों ने शिक्षण प्रक्रिया में नैतिक प्रसंगों को शामिल करने पर बल दिया एवं वसुधैव कुटुंब को अपनाने कि बात कही। डायट प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के मुख्य स्तम्भ हैं। उन्होंने इस प्रकार के सेमिनारों को शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया तथा सभी प्रतिभागियों को मूल्य आधारित शिक्षा को अपने दैनिक शिक्षण में अपनाने हेतु प्रेरित किया। नोडल प्रवक्ता वंदना चौधरी ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिकता, संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों के विकास हेतु शिक्षकों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाना था। कार्यक्रम का संचालन डॉ० ऋचा शुक्ला एवं डॉ० रविनाथ द्वारा किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर प्रवक्ता शशि दर्शन त्रिपाठी, डॉ गोविन्द प्रसाद, अलीउद्दीन, मो. इमरान खान, कुलदीप चौधरी, रमेश विश्कर्मा, अजय कुमार पाण्डेय, अन्नपूर्णा दुबे, आदित्य प्रकाश, सरिता त्रिपाठी आदि उपस्तिथि रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 फरवरी 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

जजो के मामलों पर चुप्पी

न्यायपालिका लोकतंत्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्तंभ होता है, जो कानून के शासन को बनाए रखने और संविधान की मौलिकता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है। भारत में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर कहा जाता है, जहां विवादों का निस्तारण कर नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है।

यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है।

दरअसल, लोकतंत्र में न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्षता, पारदर्शिता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करेगी। नागरिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायपालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, इसलिए वह जनता के लिए साहस और आत्मविश्वास का स्रोत भी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी इसकी भूमिका अहम है। आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है और यह तभी संभव हो पाता है, जब न्यायिक अधिकारियों का आचरण पूरी तरह पाक—साफ हो। इसमें दोराय नहीं कि विधायिका और कार्यपालिका की तुलना में आम नागरिक न्यायपालिका पर अधिक निर्भर रहते हैं, क्योंकि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा होता है। न्यायिक प्रक्रिया भी तभी निष्पक्ष और निर्भीक हो सकती है, जब वह किसी भी तरह के अनुचित हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त हो।

नियमानुसार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा न्यायपालिका द्वारा 'आंतरिक तंत्र' के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दो प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनके तहत शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अनुपालन के लिए कुछ मानक और सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। इनका पालन न होने पर आंतरिक प्रक्रिया के तहत संबंधित न्यायिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। मगर, न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतें बढ़ने का क्रम यह दर्शाता है कि आंतरिक जांच प्रक्रिया या तो धीमी है या फिर उसमें कोई बाधा उत्पन्न हो रही है। न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं, लेकिन उनकी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय सीमा का अभाव नजर आता है।

पिछले वर्ष मार्च में सामने आए एक न्यायाधीश के दिल्ली स्थित आवास पर जले हुए नोटों की गड्डी मिलने के मामले में अब तक कोई खास प्रगति न होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर यह मामला किसी प्रशासनिक अधिकारी या आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच प्रक्रिया अब तक काफी आगे पहुंच गई होती। इस स्थिति के पीछे उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मामलों में जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया का जटिल ढांचा भी एक बड़ा कारण है, जिसे सरल एवं स्पष्ट बनाए जाने की जरूरत है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों का भरोसा कायम रहे।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन

बांग्लादेश में हुए चुनावों के बाद जैसे नतीजे आए हैं, उससे साफ है कि अब वहां सत्ता और सियासत का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि वहां कुल 300 में से बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को अकेले 209 सीटें मिली हैं। इसके बरक्स जमात—ए—इस्लामी और उसके सहयोगियों को सत्तहत्तर सीटें मिली हैं। जबकि वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुई व्यापक उथल—पुथल के दौरान छात्र आंदोलनों से निकली एनसीपी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी को सिर्फ छह सीटें मिल सकीं।

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। अब संभावना यही है कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के हाथों में देश की कमान होगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'बांग्लादेश सबसे पहले' के नारे के साथ की थी।

अब जबकि बीएनपी को देश के मतदाताओं ने भारी बहुमत से जिताया है, तो उसके बाद यह देखने की बात होगी कि नई सरकार अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मोर्चे पर इस नारे को किस हद तक केंद्र में रख पाती है। खासतौर पर चीन ने जिस तरह बांग्लादेश में दीर्घकालिक हित के मद्देनजर लंबी अवधि के लिए भारी निवेश किया है, उसमें नई सरकार के लिए अपने देश के हित के सवालों पर 'सबसे पहले' की नीति सुनिश्चित करना संवेदनशील फैसला होगा। मगर बांग्लादेश की असली परीक्षा भारत के साथ अपने संबंधों की दिशा तय करने के संदर्भ में होगी।

दरअसल, इस क्षेत्र की भौगोलिक हकीकत यह तय करती है कि बांग्लादेश के संबंध में भारत की भूमिका निर्णायक रहेगी। बांग्लादेश की करीब चौरानबे फीसद सीमा भारत के साथ लगी हुई है। यानी सुरक्षा और व्यापार के मामले में बांग्लादेश के लिए भारत की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर होगा कि मतभेद के कई बिंदुओं के बावजूद बांग्लादेश की नई सरकार भारत को लेकर क्या रुख अपनाती है। हाल के समय में बांग्लादेश में जिस तरह का तीव्र ध्रुवीकरण देखा गया, उसे संभालना और फिर से सहज माहौल बनाना वहां की नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

विशिष्ट को 'अपशिष्ट' प्रमाणित करती एपस्टीन फाइल्स

—तनवीर जाफरी—

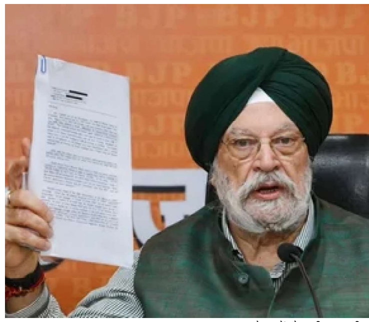

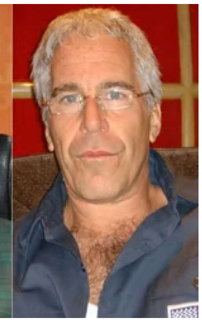

इनदिनों जेफरी एपस्टीन फाइल्स के रहस्योद्घाटनों ने पूरी दुनिया में हलचल मचाकर रख दी है। पिछले दिनों अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 लाख से भी अधिक पृष्ठों की नई फाइल्स आने के बाद दुनिया के कई हाई—प्रोफाइल लोगों के नाम उजागर हुये। अमेरिका का रहने वाला जेफरी एपस्टीन व उसके माता—पिता यहूदी परिवार से थे। 20 जनवरी 1953 को ब्रुकलिन न्यूयॉर्क, में जन्मे एपस्टीन की मृत्यु 2019 में बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में हुई थी। हालांकि उसकी मौत को अधिकारिक रूप से आत्महत्या घोषित किया गया था। परन्तु चूँकि उसकी मौत के दिन जेल के कैमरे खराब पाये गये और गार्ड्स भी उस समय सोए हुये थे। इसलिए एपस्टीन की हत्या का भी संदेह व्यक्त किया जाता है। हत्या की थ्योरी इसलिये भी रची जा रही है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि एपस्टीन के पास दुनिया की स्वयंभू श्विशिष्ट हस्तियों ष की दरिन्दिगी व काले कारनामों के ऐसे सुबूत थे जो उनके चेहरों को बेनकाब कर सकते थे। जेफरी एपस्टीन के पास फ्लोरिडा , न्यू मैक्सिको, पेरिस और कैरिबियन के यू.एस. वर्जिन आइलैंड्स में प्राइवेट द्वीप जैसी कई संपत्तियां थीं। उस पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण और तस्करी करने,नाबालिग लड़कियों से सेक्स करने,अपने श्विशिष्ट श अतिथियों को सेक्स हेतु नाबालिग लड़कियां परोसने यहाँ तक कि सेक्स के बाद उनकी हत्या करने जैसे संगीन आरोप थे।

अमीर यहूदी फाइनेंसर एपस्टीन, सैकड़ों नाबालिग लड़कियों जिनमें अधिकांश 11 से 17 वर्ष आयु की होती थीं,को अपने घरों, प्राइवेट आइलैंड और प्राइवेट जेट पर लाकर उनका वहशी की तरह यौन शोषण किया करता था। वह लड़कियों को ष्मसाजष के बहाने बुलाता, पैसे देता, फिर उन्हें सेक्स के लिए मजबूर करता था। एपस्टीन को किशोरावस्था की शुरुआती उम्र वाली लड़कियों के साथ सैक्स करने में विशेष दिलचस्पी थी। उसने स्वयं यह स्वीकारोक्ति की थी कि उसे ष्रोजाना कम से कम तीन बार सेक्स चाहिएष और उसे युवा शरीर ही पसंद है। लड़कियों को ष्खरीदनाष उसे गॉड जैसा एहसास दिलाता था। वह गरीब लड़कियों को पैसे, गिफ्टस आदि देकर कंट्रोल किया करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल जोकि इस समय जेल में है वही एपस्टीन की हवस पूरी करने के लिये लड़कियों को भर्ती करती थी। खबरों के अनुसार घिस्लेन के पिता रॉबर्ट मैक्सवेल इस्राईली इंटेलिजेंस, मोसाद से जुड़े थे। और मोसाद के इशारे पर ही एपस्टीन दुनिया की प्रमुख हस्तियों को निशाना बनाकर ष्हनीट्रैपष रैकेट चलाता था। एपस्टीन की शिकार ज्यादातर लड़कियां गरीब,मजबूर व कमजोर परिवारिक पृष्ठभूमि से होती थीं। इनमें कई पीड़िताएँ आज भी जिंदा हैं और कोर्ट में बयान दे चुकी हैं। एपस्टीन को 2008 में फ्लोरिडा में दोषी करार दिया गया था। परन्तु कहा जाता है कि उसके धनबल की वजह से उसे उस समय कम सजा मिली। 2019 में सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोप में उसे फिर गिरफ्तार किया गया। अदालत में उसके विरुद्ध 100 से भी अधिक पीड़िताओं ने गवाही दी। इन्हीं दस्तावेजों व फोटोज के आधार पर उसे इसी क्लासिक चाइल्ड सेक्स ट्रैफिकिंग के केस में फिर सजा सुनाई गयी। और 2019 में ही बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में उसकी मौत भी हो गयी। अब दुनिया में कोहराम इस बात को लेकर मचा हुआ है कि आखिर इतने बड़े अपराधी तथा मानवता के दुश्मन दुश्चरित्र व्यक्ति के साथ दुनिया के स्वयंभू विशिष्ट लोगों के संबंध की वजह क्या थी ? आखिर क्यों दुनिया के जाने माने लोग एपस्टीन के अलग अलग द्वीप पर जाया करते थे ? इस समय पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने की कोशिश करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ्लाइट लॉग्स में 1990 के दशक में कई बार नाम आया। ब्लैक बुक में उनके नाम की प्रविष्टि पाई गयी। इसी तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का भी कई फ्लाइट्स में नाम आया और वे एपस्टीन की पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल के साथ कई फोटो में भी नजर आये। ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस,प्रिंस एंड्रयू का नाम तो सबसे सबसे ज़्यादा विवादास्पद रहा। यौन शोषण के आरोप में एक दो नहीं बल्कि सैकड़ों बार उनका नाम आया। इसी तरह इस्राईल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बाराक की एपस्टीन से नियमित मुलाकातें और संपर्क की चर्चा है। वहीं स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस मारिया आजनार का नाम भी पैकेज और ट्रैवल रिकॉर्ड्स में कई बार आया है। ब्रिटेन के पूर्व मंत्री और राजदूत पीटर मंडेलसन, पूर्व न्यू मैक्सिको गवर्नर बिल रिचर्डसन, कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस पास्त्राना अरंगो जैसे राजनेताओं के नाम भी एपस्टीन फाइल्स में किसी न किसी रूप में शामिल हैं।

उद्योग व फिल्म जगत की विश्वप्रसिद्ध हस्तियां भी एपस्टीन फाइल्स से अछूती नहीं रहीं। एलन स्पेस एक्स के संस्थापक, सीईओ और मुख्य डिजाइनर,टेक बिलेनियर एलन मस्क,माइक्रोसॉफ्ट को—फाउंडर बिल गेट्स, वर्जिन ग्रुप के फाउंडर रिचर्ड ब्रैनसन,पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी लैरी समर्स, फिल्म डायरेक्टर वुडी एलन,सिंगर माइकल जैक्सन, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर, तथा अभिनेता के विन स्पेसी जैसे अनेक लोगों के नाम किसी न किसी रूप में एपस्टीन फाइल्स के रहस्योद्घाटनों में शामिल हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, व्यवसायी अनिल अंबानी,भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, लेखक दीपक चोपड़ा, फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप, निर्देशक व अभिनेत्री नंदिता दास जैसे लोगों के नाम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेफरी एपस्टीन फाइल्स में पाए गए हैं। किसी के नाम फ्लाइट्स लॉग्स में सामने आये तो किसी के लंबे समय तक एपस्टीन के संपर्क में रहने की बात सामने आयी। किसी के संदेशों और द्वीप भ्रमण करने का जिक्र आया तो किसे का एपस्टीन से पुराना सम्बन्ध निकला। एपस्टीन का किसी के साथ फ्लाइट्स में नाम आया तो किसी का जेफरी एपस्टीन के डिनर्स में शामिल होने पर नाम आया। कोई फोटो में नजर आया तो किसी को ई मेल भेजे व प्राप्त किये गये।

एपस्टीन फाइल्स का व्यापक प्रभाव यह हुआ की इसमें नाम आने के बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के पूर्व प्रिंस एंड्रयू की सभी सैन्य उपाधियां छीन ली गईं। उन्हें सार्वजनिक पदों व कर्तव्यों से हटाया गया। इतना ही नहीं बल्कि बाद में उन्हें शाही आवास विंडसर कैसल से बाहर भी निकाल दिया गया। अब वे खुद को श्प्रिंसश नहीं कह सकते। इसी तरह अनेक लोगों को अपने पदों से या तो इस्तीफा देना पड़ा या पद छोड़ना पड़ा। जाहिर है स्वयं को विशिष्ट बताने वाले व दुनिया की आँखों में धूल झोंककर स्वयं को सफेदपोश साबित करने वाले मोसाद के जाल में फंस चुके लोग जेफरी एपस्टीन जैसे दुर्दांत कुकर्मी से अपने संबंधों को छुपाने की कोशिश में तो जरूर लगे हैं। परन्तु यह भी सच है कि जेफरी एपस्टीन फाइल्स ने अनेक तथाकथित स्वयंभू 'विशिष्ट' लोगों को 'अपशिष्ट' भी प्रमाणित कर दिया है।

न संघर्ष थमेगा न होगा हसीना का प्रत्यर्पण

—उमेश चतुर्वेदी—

हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना 'खास परिस्थितियों' में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी।।बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उस पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलायेंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी. उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की माँग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की माँग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मो. यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे। बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की माँग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं। लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होती हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है।

बीएनपी का रूख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख खघलिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुखघ अपनाया, उससे तारिक के मन की गाँठ खुली है। खघलिदा के शोक के वक्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है। इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी।

खालिदा जिया के निधन के बाद हुई एस जयशंकर की ढाका यात्रा से ही भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेखघ हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना 'खास परिस्थितियों' में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी। कुछ ऐसे ही शब्दों का प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रहीं हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। जिसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगो ने मतदान ही नहीं किया। ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 से प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। गौर करने की बात है कि बीएनपी की अगुआई वाले गठबंधन में पार्टी जमात—ए—इस्लामी, छात्रों की पार्टी एनसीए और जातीय पार्टी शामिल हैं। इसका अर्थ यह है कि बीते चुनाव में बीएनपी को 25 से प्रतिशत मत ही मिले और इतने कम वोट से ही वह सत्ता संभालने जा रही है। इसका संदेश साफ है कि हसीना का ष्वोट बैंकष खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है।

आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के खिलाफ बगावत के बीज उनके आखघ्री चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है। शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक माँग कर सकती हैं। वैसे भी वे पहले यूनुस सरकार के खघ्लिाफ लोगों से उठ खड़े होने की अपील कर चुकी हैं। साफ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष खघ्त्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण. इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

सोशल मीडिया के मोहपाश से मुक्ति की जरूरत

—अविजित पाठक—

सोशल मीडिया पर बच्चों की अति सक्रियता उनकी शारीरिक—मानसिक सेहत, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों पर असर डाल रही है। बच्चों को इस मोहपाश से बचाने की जरूरत है। भले ही हम बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध के विचार पर एतराज करें, लेकिन ठोस उपाय जरूरी हैं ताकि यह लत कम से कम हो पाए। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया में हमारी बढ़ती सक्रियता में सब कुछ ठीक नहीं है —खासकर, जिस प्रकार फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के प्रति आकर्षण हमारे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा हैरू उनके बड़े होने की प्रक्रिया, सामाजिक मेलजोल, शिक्षा और आभासी दुनिया से जुड़ने के उनके ढंग पर।

क्या यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, और कई यूरोपीय देश भी इसी राह पर हैं? भारत में भी, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने को लेकर विचार जोर पकड़ने लगा है। जरा कल्पना करें कि आपके बच्चे पर क्या गुजरेगी जब आप उससे कहें कि कुछ दिन के लिए वह स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करे, और इसकी बजाय ध्यान केंद्रित कर पढ़ाई करने या अपने दोस्तों व प्रियजनों के साथ सीधे, आमने—सामने बात करें।

जब मैं 16, 14 और 12 वर्षीय उन तीन बहनों के भाग्य के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने गाजियाबाद की एक हाउसिंग सोसाइटी में अपने अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी, तो मुझे सच में डर लगता है। खबरों के मुताबिक, परिवार में कलह रहती थी, और सबसे विशेष बात, पिता अपनी तीनों बेटियों की सोशल मीडिया और टास्क—बेस्ड ऑनलाइन कोरियन गेम्स की लत से खुश नहीं थे। ऐसा लगता है कि वे तीनों यह श्झटकाश बर्दाश्त नहीं कर सकीं और उन्होंने अपनी जान लेने का फैसला किया। इन दिनों मेरा यह भरोसा पुख्ता होता जा रहा है कि तकनीक दुधारी तलवार है। मसलन, स्मार्टफोन जैसे उपकरण के बारे में सोचिए। यह जादुई है। यह किसी बच्चे या किशोरवय को दें। वह तुरंत पूरी दुनिया से जुड़ जाता है, फिल्म देखेगा, गाने सुनेगा, वीडियो गेम खेलेगा, किताब पढ़ेगा, रील और वीडियो बनाएगा, मैसेज भेजेगा और अपने ढंग से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का इस्तेमाल करेगा।

यह तकनीकजदा 'स्मार्टनेस' उन्हें प्रभावित करेगी, लेकिन सच तो यह है कि स्मार्टफोन की यह लत उनसे कुछ जरूरी चीज भी छीन लेती है। जितना ज्यादा वे स्क्रीन की लत में फंसते जाएंगे उतना ही असल दुनिया से दूर होते जाएंगेय जितना ज्यादा ऑनलाइन गेम खेलेंगे, उतने ही अकेले पड़ते जाएंगे, क्योंकि खुली जगह में अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल या क्रिकेट खेलने से परहेज करने लगते हैंय वे जितना ज्यादा स्क्रॉल करेंगे, उतना ही ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती चली जाएगीयऔर सबसे बढ़कर, अपने वीडियो श्वायरलश करने में वे जितना ज्यादा समय खपाते हैं, उनके पास किताब को छूने, पढ़ने, महसूस करने, विश्लेषण करने और अनुभव करने के लिए उतना ही कम समय बचता है।

यही विरोधाभास बताता है कि सोशल मीडिया उपयोग ने बच्चों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है, उनकी व्यग्रता बढ़ा दी है, अवसाद पैदा कर दिया और उनके आत्म—सम्मान को चोट पहुंचाई है। अमेरिकी सामाजिक ज्ञानमनोवैज्ञानिक जोनाथन हैड्ट ने सोचने पर मजबूर कर देने वाली अपनी किताब श्द एंक्सियस जेनरेशनश में इस त्रासदी का विश्लेषण किया है। जैसा कि हैड्ट का तर्क है कि डिजिटल युग में पैरेंट्स द्वारा बच्चों पर ध्यान कम दिए जाने की वजह से, लत के समान और परस्पर होड़ करवाने वाले सोशल मीडिया तक उनकी पहुंच बिना किसी रोक—टोक हो गई है। वहीं, इसी प्रकार, श्असल दुनिया में ओवर—पैरेंटिंगश की प्रवृत्ति (हर वक्त बच्चे के पीछे पड़े रहना) हमारे बच्चों की सामान्य विकास प्रक्रिया रोक रही है। यह देखकर दुख होता है कि बचपन अब 'खेल आधारित' नहीं रहाय 'फोन आधारित' बन गया है। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि स्मार्टफोन हमारे बच्चों को उनके ठीक इर्द—गिर्द के माहौल से दूर करता जा रहा है और असल जिंदगी की दोस्ती की जगह सतही ऑनलाइन चौट ले रही है। इसी को लेकर हैड्ट चेताते हैं कि इस 'व्यग्र पीढ़ी' में नींद की कमी, ध्यान भटकना और अकेलापन न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है। भारत में इस संकट की गंभीरता को समझें कृ शिक्षा के स्तर की वार्षिक रिपोर्ट (2024) के अनुसार, हमारे 76 प्रतिशत बच्चे (14—16 साल समूह) सोशल मीडिया तक पहुंच करने के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं।

इतना ही भयावह है जोखिमजदा कच्चे दिमागों पर कंटेंट क्रिएटर्स या यू—ट्यूब 'इन्फ्लुएंसर' का प्रभाव। एक स्थिति की कल्पना करेंरू आपका बच्चा तब तक सो नहीं पाता जब तक वह हर रात किसी मशहूर 'इन्फ्लुएंसर' की मनगढ़ंत कहानियां न सुन ले कृ उत्तराखंड के एक छोटे से शहर का एक नौजवान जिसके 31 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं और वह अपनी फैंसी कारोंकृ मर्सिडीज—बेंज जी—वैगन, पोर्शे 718 बॉक्सटर और टोयोटा फॉर्च्यूनर लेजेंडर —का गर्वपूर्ण प्रदर्शन करता रहता है! देखने वाले युवा को इस चकाचौंध भरी जीवनशैली से अपनी नाकाबिलियत और आत्म—सम्मान की कमी महसूस हो सकती है। जब इस किस्म का कोई 'इन्फ्लुएंसर' कच्चे मन वाले किसी किशोरवय की उम्मीदों को आकार देना शुरू देता है, तो वह यह मानने लग सकता है कि अगर कोई हर सुबह अपने परिवार के क्रिया—कलाप सोशल मीडिया पर डालकर इतना कमा सकता है, तो कड़ी मेहनत करने, मन लगाकर पढ़ाई करने और रचनात्मक कौशल बेहतर बनाने का क्या मतलब। क्या यही वजह है कि हम जहां—तहां युवाओं को फोन से रील बनाते, अपने वीडियो अपलोड करते, यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाते और त्वरित लोकप्रियता एवं सफलता पाने की कोशिश करते देखते हैं? 'लाइक और सब्सक्राइब' कृ मानो यह हमारे जमाने का पसंदीदा मंत्र बन गया है!

सवाल है हम अपने बच्चों को इस मोहपाश से कैसे बचा सकते हैं। भले ही हम अपने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंधा लगाने के विचार पर एतराज करें, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि अब समय है कि हम

नेपाल चुनाव को लेकर इंडो–नेपाल अधिकारियों की हाई लेवल बैठक में बनी रणनीति

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल क्रॉस बॉर्डर ज्वाइंट सिक्योरिटी को आर्डिनेशन कमेटी की ऑनलाइन बैठक में नेपाल चुनाव को लेकर सुरक्षात्मक रणनीति बनी। महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर व पश्चिमी चंपारण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही नेपाल के रुपन्देही, कपिलवस्तु व नवलपरासी जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में नेपाल चुनाव के दृष्टिगत सीमा की निगरानी, सीमा पर कानून व्यवस्था, सीमाद्योतक चिह्नों, नोमेंस लैंड के सुंदरीकरण, मानव तस्करी, नशीली दवाओं, शराब, खाद व अन्य वस्तुओं की तस्करी आदि को रोकने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने ने नेपाली प्रशासन के 5 मार्च की मध्य रात्रि से 72 घंटे पूर्व अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील करने के अनुरोध पर शासन के निर्देशानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

उन्होंने नेपाल में शुचितापूर्ण चुनाव को सुनिश्चित कराने को लेकर सभी जरूरी सहयोग का आश्वासन दिया। दोनों पक्षों ने संयुक्त गश्त और सीमा पर अवैध गतिविधियों को रोकने को लेकर परस्पर सहयोग के अन्य उपायों को अपनाने को लेकर भी जोर दिया। साथ ही सीमापारीय व्यापार को बढ़ाने पर और अवैध व्यापार सहित तस्करी में संलग्न लोगों पर प्रभावी अंकुश लगाने पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने सीमारेखा की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता का भी अनुरोध किया। उन्होंने अन्य विषयों में सूचना साझा करने का भी अनुरोध किया, ताकि बाढ़ से बचाव हेतु आवश्यक इंतजाम किए जा सकें। एसपी सोमेन्द्र मीना ने महराजगंज पुलिस द्वारा साझा की गई वांछित अपराधियों की सूची पर पर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने सीमापारीय तस्करी के संदर्भ में भी ज्वाइंट पेट्रोलिंग और सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा पर कानून व्यवस्था बनाए रखने, सीमाद्योतक चिह्नों के सुदृढ़ीकरण, तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के विषय में भी विस्तार से चर्चा की और समुचित कार्यवाही पर सहमति व्यक्त की। दोनो पक्षों ने परस्पर संवेदनशील और महत्वपूर्ण सूचनाओं को साझा करने पर भी सहमति व्यक्त की। जिलाधिकारी ने सकारात्मक माहौल में बैठक आयोजित करने के लिए नवलपरासी के मुख्य जिला अधिकारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन महराजगंज नेपाल में चुनाव सकुशल और शुचितापूर्ण ढंग से संपादित करने में हर आवश्यक सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के संबंधों को और बेहतर करने के लिए हमारी ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। नवलपरासी के मुख्य जिला अधिकारी ने भारत की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों का बैठक में सम्मिलित होने के लिए आभार व्यक्त किया और नेपाल–भारत के बेहतर संबंधों के लिए लगातार सहयोग का आश्वासन दिया। नेपाल में पांच मार्च को है चुनाव नेपाल में आगामी 5 मार्च को नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा का चुनाव होना है। इसको लेकर नेपाली प्रशासन द्वारा समन्वय समिति की बैठक की गई। बैठक में महराजगंज प्रशासन से एसपी सोमेंद्र मीना, अपर जिलाधिकारी (विध्रा) डॉ. प्रशांत कुमार, उपजिलाधिकारी नौतनवा, उपजिलाधिकारी निचलौल व सीओ नौतनवा सहित वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित रहे।

यूजीसी एक्ट के समर्थन में फिर आंदोलन, सड़क पर उतरे लोग

संवाददाता–महराजगंज। सोमवार को महाराजगंज में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के शिक्षकों–छात्रों से जुड़े भेदभाव निरोधक प्रावधानों पर लगी रोक के विरोध में भारतीय बौद्ध महासभा व एससी, एसटी, ओबीसी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले लोगों ने जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज से प्रदर्शन शुरू किया। यूजीसी एक्ट के समर्थन और विरोध में प्रदर्शनों का दौर थम नहीं रहा है। एक्ट के समर्थन और उच्च शिक्षा में समान अवसर और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की मांग को लेकर सोमवार को यूपी के महाराजगंज की सड़कों पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ। अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग के शिक्षकों–छात्रों से जुड़े भेदभाव निरोधक प्रावधानों पर लगी रोक के विरोध में भारतीय बौद्ध महासभा व एससी, एसटी, ओबीसी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज के खेल मैदान से नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू किया। जुलूस की शक्ल में जिला मुख्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित छह सूत्रीय मांग पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। इसका नेतृत्व भारतीय बौद्ध महासभा के जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह व प्रांतीय महासचिव श्रवण कुमार पटेल ने किया। जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यूजीसी एक्ट का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति, धर्म, लिंग, जन्मस्थान व दिव्यांगता के आधार पर होने वाले भेदभाव पर सख्त रोक लगाना था। उनका आरोप था कि संबंधित प्रावधानों के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में प्रभावी पैरवी नहीं की, जिसके चलते आदेश पर स्थगन लग गया। प्रांतीय महासचिव श्रवण पटेल ने कहा कि यूजीसी की रिपोर्टों में दलित–पिछड़े वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव की घटनाओं में वृद्धि दर्ज है और उन्होंने आरोप लगाया कि उत्पीड़न व मानसिक दबाव के कारण कई छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हुए हैं।

संयुक्त मोर्चा ने मांग की कि सरकार तत्काल हस्तक्षेप कर स्थगन हटवाए और पूर्व व्यवस्था बहाल कराए, जिससे विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में पारदर्शी, जवाबदेह व भेदभाव–मुक्त शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान शिवमंगल गौतम, अरविन्द प्रताप निषाद, रामचंद्र बौद्ध, वकील प्रजापति, रामसमुझ मौर्या, डॉ. एलबी प्रसाद, हरिश्चन्द्र बौद्ध, बाल गोपाल, बैजनाथ बौद्ध, पदमाकर बौद्ध, प्रदीप कुमार गौतम, सुधाकर भारती, सतीश चन्द, नागेंद्र बौद्ध, सूर्यमनि प्रसाद, चन्द्रबली, अतुल, अमरनाथ यादव, मदन मोहन साहनी, शैलेश मौर्या सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

न्यायिक कार्य से विरत रहकर अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–श्रावस्ती। रामपुर व बाराबंकी जिले में हुई अधिवक्ताओं की हत्या को लेकर वकीलों में आक्रोश है। वकीलों ने विरोध प्रदर्शन करके अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। भिनगा में डीएम व इकौना तथा जमुनहा में अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। भिनगा में मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष सुरेश चंद तिवारी व महामंत्री सतीश मौर्य के नेतृत्व में डीएम अश्विनी कुमार पांडेय को ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने कहा है कि 11 फरवरी को रामपुर में बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता फारूक अहमद खान की सरकारी कार्यालय में दिनदहाड़े गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। इसी प्रकार 13 फरवरी को बाराबंकी में अधिवक्ता शोएब किदवई की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या की गई। इससे पूरे प्रदेश में अधिवक्ता समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। रामपुर व बाराबंकी में अधिवक्ता के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों को एक–एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जाय। साथ ही एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल विधानसभा में पारित कर लागू किया जाये। सरकारी कार्यालय में सीसीटीवी कैमरा व न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

स्कूटी और बाइक की भिड़ंत में एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के पनियरा–परतावल मार्ग पर स्थित ग्राम बभनौली के पास स्थित एक तिराहे पर सोमवार की शाम एक बड़ा हादसा हो गया। एक स्कूटी सवार और एक बाइक की आमने–सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुहम्मदा निवासी 60 वर्षीय मारकंडेय प्रसाद पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रानीपुर अपनी बेटी रीतू के ससुराल आये थे। वहां स्कूटी से अपनी लड़की रीतू व उसकी एक बच्ची के साथ वापस अपने घर मोहम्मदा लौट रहे थे कि बभनौली स्थित उक्त तिराहे के पास ग्राम पंचायत बैजूडेहरा निवासी सूरज की बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।

इस हादसे में दोनों बाइक पर सवार चारों लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायल युवकों को पीएचसी पनियरा पहुंचाया। वहीं, महिला और उसकी बच्ची को वहीं एक प्राइवेट डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया। पीएचसी पर डाक्टरों ने मारकंडेय प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। घायल सूरज की हालत गंभीर होने के कारण उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मौका मुआयना किया। थानाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अग्रिम कार्रवाई हो रही है।

बाप की हत्या, बेटे को मरा समझा, बहू ने छिपकर बचाई जान, घर में घुसे डकैतों का तांडव

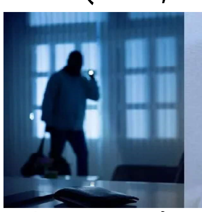

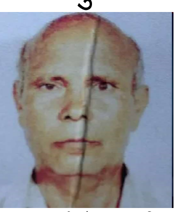

संवाददाता–श्रावस्ती। नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर किसान नेमराज पाठक की चाकू से हत्या कर दी और बेटे को घायल कर दिया। बदमाश जेवर व सामान लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। जिले में डकैती और हत्या की सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के भजोरेपुरवा गांव में रविवार देर रात चार नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर किसान नेमराज पाठक की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी, जबकि उनके बेटे सुनील पाठक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश घर में रखे सोने–चांदी के जेवर, नकदी और अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश और भय का माहौल है।

जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित भजोरेपुरवा गांव निवासी नेमराज पाठक अपने बेटे सुनील और बहू लक्ष्मी के साथ गांव से थोड़ा बाहर बने मकान में रहते थे। उनकी पत्नी का करीब पांच साल पहले निधन हो चुका था। रविवार रात करीब तीन बजे चार नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। घर में हलचल होने पर नेमराज की नींद खुल गई और उन्होंने शोर मचाते हुए बदमाशों का विरोध किया। इसी दौरान बदमाशों ने उन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आवाज सुनकर बेटा सुनील भी मौके पर पहुंचा, लेकिन बदमाशों ने उसे पकड़कर चाकू मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बहू लक्ष्मी के मुताबिक, बदमाशों ने सुनील के सामने ही नेमराज पर कई बार चाकू से वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। डर के कारण वह बेड के नीचे छिप गई और वहीं से चार लोगों के पैर देखे। बदमाशों ने इसके बाद पूरे घर में लूटपाट की और जेवरात सहित कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद महिला ने शोर मचाकर पड़ोसियों और ग्रामीणों को बुलाया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सुनील को जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं।

पुलिस ने बेटे की तहरीर के आधार पर चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या और डकैती की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव से बाहर बने मकानों में रहने वाले परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया है और मामले की गहन जांच जारी है।

मर्ज हार्निया का था आपरेशन हाइड्रोसील का किया, झोलाछाप डाक्टर ने ली मरीज की जान!

संवाददाता–बहराइच। जिले में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से युवक की मौत का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और अवैध क्लीनिकों की कार्यशैली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। फखरपुर क्षेत्र के भिलौरा मोड़ स्थित एक कथित क्लिनिक में हार्निया का इलाज कराने पहुंचे 31 वर्षीय अमरेश की गलत ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। आरोप है कि झोलाछाप ने हार्निया के बजाय हाइड्रोसील का ऑपरेशन कर दिया, जिससे बारीक नसें कट गईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। हालत बिगड़ने पर उसे लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

बौंड़ी थाना क्षेत्र के बिस्वां गांव निवासी अमरेश पिछले करीब एक साल से हार्निया की समस्या से परेशान थे। गांव की एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सलाह पर परिजन उन्हें भिलौरा मोड़ स्थित क्लिनिक में लेकर पहुंचे, जहां ऑपरेशन की सुविधा होने और बाहर से डॉक्टर बुलाने का दावा किया जाता था। मृतक के भाई राजेश का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान भारी लापरवाही बरती गई। ऑपरेशन के बाद लगातार खून बहता रहा, लेकिन समय रहते उचित इलाज नहीं दिया गया। बाद में मरीज को डिस्चार्ज कर लखनऊ ले जाने को कह दिया गया, जहां पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शर्मा ने मामले की जांच के लिए टीम भेजने और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा गलत इलाज या ऑपरेशन से मौत की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। कुछ समय पहले सीतापुर में प्रसव के दौरान अवैध क्लिनिक में महिला की मौत का मामला सामने आया था, जबकि उन्नाव और बदायूं में भी गलत इंजेक्शन या ऑपरेशन से मरीजों की जान जाने के मामले चर्चा में रहे।

बार–बार ऐसी घटनाएं सामने आने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और सस्ती इलाज की मजबूरी के कारण लोग झोलाछापों के जाल में फंस जाते हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि बिना पंजीकरण चल रहे क्लिनिकों और फर्जी डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग समय–समय पर अभियान चलाता है, लेकिन कार्रवाई की कमी और निगरानी के अभाव में ऐसे क्लिनिक फिर सक्रिय हो जाते हैं। बहराइच की ताजा घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक मरीजों की जान से खिलवाड़ होता रहेगा और अवैध चिकित्सा प्रथाओं पर पूरी तरह रोक लगेगी।

यूपी में खत्म हुआ गुंडाराज निवेश का माहौल बना –पंकज

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी क्षेत्र, जाति या भाषा में बंधी पार्टी नहीं है, बल्कि यह सर्व समाज की पार्टी है। पूरे प्रदेश में जाने का अवसर मिल रहा है और कार्यकर्ताओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है। संगठन को साथ लेकर चलना ही उनकी प्राथमिकता है। वे सोमवार को अपने धनेवा–धनेई स्थित आवास पर जनसुनवाई के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने शहर के एक होटल में एक कार्यक्रम में भी अपने विचार रखे। उन्होंने विपक्ष के पीडीए गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि पीडीए का अर्थ परिवारिक दल एलायंस है, जबकि भाजपा सबका साथ–सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि अगड़ा, पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक सभी वर्गों का समान विकास हो रहा है तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश से गुंडाराज समाप्त हुआ है। 2024 के चुनाव में संविधान बदलने का भ्रम फैलाया गया, लेकिन जनता ने सच्चाई समझ ली। कहा कि केंद्र का नेतृत्व किसी भी जाति और धर्म के साथ अन्याय नहीं होने देगा। उन्होंने दावा किया कि बीएसपी–सपा का गठबंधन प्रदेश देख चुका है और ब्राह्मण समाज उनके बहकावे में नहीं आने वाला है। ब्राह्मण समाज ने हमेशा भाजपा का साथ दिया है। कहा कि राजनीति का मूल मंत्र क्षेत्र में लगातार बने रहना और जनता का काम करना है। टिकट वितरण का निर्णय संगठन करता है और संगठनात्मक सर्वे के आधार पर जल्द ही टीम की घोषणा होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के बजट में अंतिम व्यक्ति से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक लगातार फोकस रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में केंद्रित है और 2047 के विकसित भारत का रोडमैप इसमें दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश को हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का लाभ मिलेगा तथा राज्य के बजट का बड़ा हिस्सा गांवों के विकास पर खर्च हो रहा है। स्पष्ट किया कि जीएसटी का सीधा संबंध बजट से नहीं होता, यह जीएसटी काउंसिल द्वारा संचालित होता है और इसमें और सरलीकरण किया जाएगा। 2017 से पहले प्रदेश में व्यापारी निवेश से डरते थे, लेकिन माफिया राज के खात्मे के बाद निवेश का माहौल बना है। अब धर्म–जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। एनडीए मिलकर ही चुनाव लड़ेगा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि एनडीए मिलकर ही चुनाव लड़ेगा। सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छ जल की दिशा में काम हो रहा तथा बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कहा कि पार्षद से प्रदेश अध्यक्ष तक का उनका सफर कार्यकर्ताओं की बदौलत तय हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी प्रदेश में फिर जीत दर्ज करेगी और हैट्रिक बनेगी।

बोर्ड परीक्षा कंट्रोल रूम का डीएम ने लिया जायजा

संवाददाता–श्रावस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए जिला राजकीय पुस्तकालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसका सोमवार को डीएम ने औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि बोर्ड परीक्षाएं छात्रों के भविष्य से जुड़ी हैं। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन व पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने राजकीय पुस्तकालय में बने कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने जिले के 41 परीक्षा केंद्रों से जुड़े डीवीआर व सीसीटीवी कैमरों के संचालन की समीक्षा की। सभी केंद्रों के सीसीटीवी कैमरे ऑनलाइन सक्रिय पाए गए।

उन्होंने कंट्रोल रूम प्रभारी को कक्षाओं में कैमरों की स्पष्ट दृश्यता करने के निर्देश दिए। जिससे कि परीक्षा कक्षा की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। तकनीकी समस्याओं के समय से समाधान के लिए कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण, नकलमुक्त और निष्पक्ष परीक्षा कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए तकनीकी निगरानी के साथ–साथ सतर्कता भी जरूरी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिससे परीक्षा व्यवस्थापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इस दौरान डीआईओएस सत्येन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पौराणिक पीठ सुग्रीव किला में चल रहा है नौ दिवसीय ब्रह्मोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी पौराणिक एवं आध्यात्मिक महत्व के केंद्र सुग्रीव किला में भगवान श्री राजराजेश्वर सरकार की स्थापना वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित नौ दिवसीय ब्रह्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के अनुरूप प्रारंभ हुआ। उत्सव में आराध्य विग्रह को विशेष रथ पर आरूढ़ कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें संत–महात्माओं, वेदपाठी ब्राह्मणों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने बताया कि यह पावन अवसर उनके यशस्वी गुरु एवं आश्रम के पूर्वाचार्य जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य के वैकुंठोत्सव तथा जगत को चमत्कृत करने वाले वेदांत देशिक स्वामी के प्राकट्योत्सव के रूप में भी मनाया जा रहा है।

स्वामी अनंतपद्मनाभाचार्य ने नौ दिवसीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी शिव प्रारंभ हुआ अनुष्ठान18 फरवरी को प्रातः 3 बजे भेरी ताड़न तथा सायं 6 बजे श्री शेषनाग वाहन एवं चंद्रप्रभा की सवारी निकली। 19 फरवरी को सायं 6 बजे श्री हनुमान जी की सवारी के साथ उत्सव अपने चरम पर पहुँचेगा।18 एवं 19 फरवरी की रात्रि 8 बजे सत्संग एवं भजन संध्या का आयोजन होगा। 19 फरवरी को सायं 3 से 6 बजे तक संत सम्मेलन संयोजित है। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध गायक अनूप जलोटा अपनी स्वरांजलि अर्पित करेंगे। उनके साथ शंभू लहरी एवं चंचल काबरा जैसे कलाकार भी प्रस्तुति देंगे।20 फरवरी, शुक्रवार को पूज्य महाराज जी के श्रीविग्रह का अभिषेक एवं तदीयाराधन (भंडारा) मध्यान्ह 12 बजे से प्रारंभ होगा।नौ दिवसीय ब्रह्मोत्सव के माध्यम से श्रीरामानुज परंपरा की गौरवशाली विरासत, वैदिक संस्कृति और भक्ति परंपरा का सजीव दर्शन हो रहा है। देश के विभिन्न भागों से आए श्रद्धालु इस महोत्सव में सम्मिलित होकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं।आयोजन श्रीराम ज्योतिष्पीठ वानप्रस्थ सेवाश्रम, दिव्यदेश, सुग्रीव किला, अयोध्या द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार ब्रह्मोत्सव न केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समागम है, बल्कि यह समाज में समरसता, सेवा और सनातन संस्कृति के संवर्धन का भी संदेश देता है।

गोहत्या के मामले में वांछित चार आरोपी गिरफ्तार

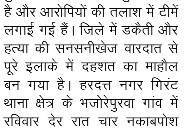

संवाददाता–श्रावस्ती। अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने गोहत्या मामले में वांछित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से एक भरुही बंदूक समेत गौवध में प्रयुक्त अन्य औजार बरामद किए गए। आरोपियों को जेल भेज दिया गया। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम बलनपुर बसंतपुर के मजरा संतलिया में आठ फरवरी को मनीराम पुत्र अमेरिका प्रसाद ने प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उसने अज्ञात पर अपनी बछिया को चोरी कर ले जाने व उसकी हत्या करने का आरोप लगाया था। गोवंश का अवशेष खेत से बरामद हुआ था। तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच कर रही थी। इस दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम सचौली निवासी सुल्तान उर्फ मुजफ्फर पुत्र अब्दुल हकीम, बलनपुर बसंतपुर निवासी बहाल अंसारी पुत्र जमालुद्दीन उर्फ बाउर, गेंहुआभारी के मजरा वीरपुर निवासी आरिफ पुत्र इदरीश तथा लक्ष्मणपुर मझगांव के काजीपुरवा निवासी इरफान पुत्र मोहम्मद शफीक का नाम सामने आया। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय ने टीम के साथ बलनपुर बसंतपुर के पास से चारो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से पुलिस ने गोवध में प्रयुक्त आलाकत्ल दो चाकू, दो गड़ासा, एक लकड़ी का ठीहा, दो टार्च, दो बाइक, एक भरुही बंदूक बरामद किया। आरोपियों को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक विशाल शुक्ला, राज किशोर गुप्ता, मुख्य आरक्षी विनीत सिंह, सत्यानंद यादव, बदरुद्दीन व अमित यादव शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़: विदेश में नौकरी का झांसा देकर युवाओं को लाओस में बनाया था बंधक

संवाददाता–बलरामपुर। विदेश में अच्छी नौकरी का झांसा देकर साइबर स्लेवरी (साइबर गुलामी) में डालने वाले सक्रिय गैंग का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। तुलसीपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय संगठित गिरोह के दो शातिर अरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान संतकबीरनगर के बखिरा स्थित अमहवा गांव निवासी फैजान रजा व महाराष्ट्र मुंबई के रूम नंबर 72 सी गली नवजीवन हाउसिंग सोसायटी सिंह स्टेट समतानगर कांदिवली (मूल निवासी ग्राम कुसरना थाना व तहसील केराकत जनपद जौनपुर) निवासी राम प्रवेश सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि तुलसीपुर के नई बाजार कस्तूरबा गली निवासी शोएब अहमद को फैजान रजा ने यूट्यूब चौनल पर विज्ञापन के माध्यम से थाईलैंड में डाटा एंट्री आपरेटर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 60 हजार रुपये व अभिलेख लिए। इसके बाद मुंबई से उसे थाईलैंड और वहां से अवैध रूप से लाओस ले गए। लाओस में राम प्रवेश सिंह ने उसे स्कैम कंपाउंड में दो लाख 50 हजार रुपये में बेच दिया, जहां उससे जबरन साइबर फ्राड एवं साइबर स्लेवरी कराई जाती थी। भारतीय दूतावास से संपर्क होने पर वहां से मुक्त होकर लौटे शोएब अहमद ने तुलसीपुर थाना में फैजान रजा व राम प्रवेश सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था।

प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस टीम ने आरोपित फैजान रजा को हरैया तिराहा मालगोदाम रोड क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया। वहीं राम प्रवेश सिंह के बीते 11 फरवरी को उसके मुंबई स्थित पते से गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस की पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि दोनों एक संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर मानव तस्करी गिरोह का हिस्सा थे, जो इंटनेट मीडिया, विशेषकर यूट्यूब चैनल के माध्यम से थाईलैंड (बैंकाक) में डाटा एंट्री नौकरी का झूठा विज्ञापन देकर भारतीय युवकों को 60 हजार रुपये वेतन का लालच देते थे। उनसे धनराशि वसूल कर बैंकाक का टिकट बनवाते थे। वहां से गोल्डन ट्रायंगल मार्ग के जरिए अवैध रूप से लाओस पहुंचाकर स्कैम कंपाउंड में प्रति व्यक्ति लगभग 2.5 लाख रुपये में बेच देते थे। यहां पीड़ितों को बंधक बनाकर उनसे आनलाइन निवेश एवं चैटिंग के माध्यम से साइबर ठगी कराई जाती थी। इस अपराध में रामप्रवेश लाओस में रिसीविंग एवं समन्वय की भूमिका निभाता था, जबकि फैजान भर्ती, इंटरव्यू और समन्वय का कार्य करता था। उनके दो सहयोगी मकसूद व शादाब थे। चारों आपस में कमीशन बांट लेते थे। इनमें से कुछ भुगतान क्रिप्टो (बाइनेंस आइडी) के माध्यम से ली जाती थी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक कर्मवीर सिंह, हेड कांस्टबेल अशोक कुमार गौड़, कांस्टेबल अनिल कुमार, अवधेश कुमार, अखिलेश कुमार, जयसिंह यादव व शुभम सिंह शामिल रहे।

गोरखनाथ मंदिर गेट पर युवक ने किया हंगामा, पीएसी जवान से हाथापाई

संवाददाता-गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में रविवार की रात बलिया जिले के एक युवक ने गेट पर हंगामा किया। वह पुलिसकर्मियों से उलझ गया। इसके बाद एक पीएसी जवान से हाथापाई भी की। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर गोरखनाथ थाने भेज दिया। मामला पासपोर्ट के निरस्तीकरण से जुड़ा है। इसे देखते हुए खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। आरोपी युवक की पहचान बलिया जिले के थाना नगरा के चंद्रवार दुगौली निवासी राधेश्याम राजभर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट में दर्ज एफआईआर के कारण पासपोर्ट आवेदन निरस्त हो गया था। इसी संबंध में वह प्रार्थना पत्र लेकर गोरखनाथ मंदिर आया था। रात लगभग 8:30 बजे वह मंदिर के दक्षिणी गेट पर पहुंचा। पहले वहां पर सुरक्षाकर्मियों से उसकी बहस हुई। उसके पास कोई हथियार या अन्य वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद उसे प्रवेश दे दिया गया। आगे बढ़ने पर पीएसी के जवान ने रोक लिया। वह पीएसी जवान से अंदर जाने की अनुमति मांग रहा था लेकिन कार्यालय बंद होने की जानकारी दिए जाने पर वह भड़क गया। इसके बाद वह एक पीएसी जवान से उलझ गया और उससे हाथापाई शुरू कर दी। यह देख वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आबकारी एक्ट के एक केस के कारण उसका पासपोर्ट आवेदन निरस्त हुआ था। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि राधेश्याम की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है। पीएसी जवान से युवक की हाथापाई के बाद असलहा छीनने की सूचना से हड़कंप की स्थिति बन गई। इस संबंध में एसपी मंदिर सुरक्षा संतोष सिंह ने स्पष्ट किया कि असलहा छीनने जैसी कोई घटना नहीं हुई है। युवक ने केवल बदसलूकी और धक्का-मुक्की की थी। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य है।

सामूहिक रुद्राभिषेक, पार्थिव शिवलिंग निर्माण, भंडारा 56 भोग के साथ सम्पन्न

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। सनातन धर्म चेतना चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री कर्णेश्वर नाथ मंदिर परिसर में भव्य, धार्मिक आयोजनों का सफल आयोजन किया गया। पूरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा और वातावरण "हर-हर महादेव" के गगनभेदी जयघोष से भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में भगवान भोलेनाथ की वैदिक विधि-विधान से मंगल आरती के साथ हुआ। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इसके उपरांत पूर्व से अनवरत चल रहे श्री सीताराम नाम जप के पावन पाठ की विधिवत पूर्णाहुति सम्पन्न की गई। नाम जप पूर्ण होने के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं, साधकों एवं आगंतुकों ने श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया।

ट्रस्ट द्वारा की गई सुनियोजित व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न पवित्र तीर्थ स्थलों से लाई गई मिट्टी से श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया। यह दृश्य भक्तों के लिए अत्यंत भावविभोर करने वाला रहा। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और घंटा- घड़ियाल की ध्वनि के बीच शिवलिंग की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न की गई। इसके पश्चात सामूहिक रुद्राभिषेक का शुभारंभ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक साथ सहभागिता कर पुण्यलाभ अर्जित किया।

रुद्राभिषेक अनुष्ठान का संचालन आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी, ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र एवं आचार्य रवि तिवारी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। वैदिक मंत्रों की गूंज और भक्तों की एकाग्र साधना से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। श्रद्धालुओं ने जल, दुग्ध, दधि, घृत, मधु एवं गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र के कल्याण की कामना की।

रुद्राभिषेक सम्पन्न होने के उपरांत सभी श्रद्धालुओं के लिए फलाहारी जलपान प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सायंकालीन बेला में भगवान भोलेनाथ का भव्य एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। दीपों की जगमगाहट, पुष्पों की सुगंध और भक्ति संगीत ने पूरे मंदिर प्रांगण को अलौकिक स्वरूप प्रदान किया। इसके पश्चात 56 भोग प्रसाद का दिव्य आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर की असीम कृपा और प्रेरणा से ऐसे दिव्य आयोजन प्रतिवर्ष सफलतापूर्वक सम्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ट्रस्ट द्वारा धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम और अधिक भव्यता एवं व्यापक सहभागिता के साथ आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी से धर्म, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

आयोजन को सफल बनाने में आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी, संतोष मिश्रा, विशाल मिश्रा (एडवोकेट), सौरभ कुमार बोस, विशाल पाण्डेय, अनूप मिश्रा, पंडित रवि त्रिपाठी सहित अनेक सहयोगियों का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रति ट्रस्ट ने कृतज्ञता व्यक्त की।

रुद्राभिषेक एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में ओमप्रकाश ठाकुर, राजेन्द्र गौड़, शैलेष कुमार श्रीवास्तव (एडवोकेट), मीना, सरिता पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, महेंद्र तिवारी, निखिल, प्रमोद कमलापुरी, अरुण भारती गोस्वामी सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सपरिवार सहभागिता कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महर्षि वशिष्ठ मंदिर बढनी में प्राण प्रतिष्ठा की पांच दिवसीय विशेष पूजा शुरू

जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य के श्रीमुख से विश्व में पहली बार वशिष्ठ रामायण कथा 18 से

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मंदिर बढनी में प्राण प्रतिष्ठा की पांच दिवसीय विशेष पूजा शुरू हो गई। सोमवार को वृंदावन धाम से पधारे आचार्य गणों ने विधि विधान से नवनिर्मित वशिष्ठ मन्दिर में मंत्रोच्चार के बीच अग्नि प्रज्वलित कर यज्ञ किया। आचार्य नीरज परासर और प्रभाकर मिश्र के मार्गदर्शन में 11 विद्वानों द्वारा महर्षि वशिष्ठ, माता अरुंधति और श्री राम सहित चारों भाइयों की प्रतिमाओं का जलाधिवास कराया गया।

मुख्य यजमान भागवत प्रसाद मिश्र, चन्द्र भूषण मिश्र,सावित्री मिश्र, साधना मिश्रा, उषा मिश्रा ने यज्ञ में हिस्सा लिया। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज 18 फरवरी को बस्ती पहुंच जाएंगे तथा उसी दिन वशिष्ठ आश्रम बढ़नी में शाम 03 बजे से विश्व में पहली बार वशिष्ठ रामायण कथा सुनाएंगे। बताया कि 18 से 26 फरवरी तक प्रत्येक दिवस 03 बजे से कथा और सायं 06 बजे से सांस्कृतिक संध्या होगी। मुंबई से बॉलीवुड गायक नीरज तिवारी मथुरा की प्रसिद्ध गायिका नम्रता सिंह, टीवी रियल्टी शो की प्रतिभागी रही उर्मिला राज, लखनऊ की मोहिनी द्विवेदी, राजेश आर्य, प्रसिद्ध गायिका डॉ रंजना अग्रहरि, सत्यम सिंह निक्कू, अमरेश पाण्डेय , धन्नू, धनुषधारी चतुर्वेदी, पंकज गोस्वामी, प्रभा त्रिपाठी, जागृति सिंह, अनमोल शाही शुभम गुप्ता सहित दर्जनों ख्यातिलब्ध कलाकार कथा पंडाल में श्रोताओं को भजन के सागर में हिलोरे लगवाने आ रहे हैं। पूजा समारोह में अध्यक्ष सतीश मिश्र, रत्नेश मिश्र, आशुतोष कुमार, संतोष मिश्र, राकेश मिश्र, विकास मिश्र अंशु मिश्र सहित सैकड़ों लोग सम्मिलित हुए।

अरुण को घर से बुलाकर किया कत्ल, ग्रामीणों ने खाकी को दौड़ाया

संवाददाता-गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के तेनुहिया गांव में रविवार शाम बाइक सवार बदमाशों ने अरुण निषाद (22) को गोली मार दी। घटना के बाद गांव में पहुंची पुलिस से ग्रामीणों की झड़प हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस वालों को दौड़ा लिया। उन्हें बाइक और डायरी छोड़कर भागना पड़ा। तेनुहिया गांव का अरुण निषाद पेंट पॉलिश का काम करता था। मामले में अरुण के पिता भोला निषाद की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी विशाल, देवेंद्र समेत आठ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पिता भोला निषाद ने तहरीर देकर बताया कि रविवार शाम करीब चार बजे विशाल नामक युवक उनके घर आया और बेटे अरुण निषाद को बुलाकर ले गया। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर विशाल ने अपने दोस्तों देवेंद्र व पांच-छह अन्य के युवकों साथ मिलकर अरुण की गोली मारकर हत्या कर दी।

हिस्ट्रीशीटर ने डॉक्टर से मांगी 15 लाख की रंगदारी, पैसे ना देने पर दी परिवार को मारने की धमकी

संवाददाता-गोरखपुर। मानसी अस्पताल के संचालक डा. पंकज दीक्षित को फोन करके हिस्ट्रीशीटर ने 15 लाख रुपये रंगदारी मांगी है। रुपये न मिलने पर अस्पताल बंद कराने व पूरे परिवार की हत्या करने की धमकी दी। डाक्टर ने सोमवार की दोपहर एसएसपी डा. कौस्तुभ को प्रार्थना पत्र देकर आरोपित पर कार्रवाई और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। क्राइम ब्रांच व शाहपुर थाना पुलिस हिस्ट्रीशीटर की तलाश में छापेमारी कर रही है। शाहपुर के जंगल सालिकराम, शिवपुर सहबाजगंज में रहने वाले डा. पंकज कुमार दीक्षित ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 12 फरवरी की रात 10:46 बजे उनके मोबाइल पर एक काल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम राहुल शर्मा बताते हुए 15 लाख रुपये की मांग कर दी। उसने यह भी कहा कि रुपये नहीं मिले तो छात्रसंघ चौराहा व पादरी बाजार में चलने वाले अस्पताल को बंद कराने के साथ ही पूरे परिवार की हत्या कर देगा। डर की वजह से उन्होंने सूचना पुलिस को नहीं दी। दो दिन बाद 14 फरवरी की रात 11:32 बजे फिर उसी नंबर से काल आया। इस बार हिस्ट्रीशीटर ने

और आक्रामक लहजे में धमकी दी। कहा कि यदि रुपये देने में आनाकानी की गई तो अंजाम बहुत बुरा होगा। लगातार मिल रही धमकियों से उनका परिवार दहशत में है। देर रात आने वाले फोन और गाली-गलौज से माहौल तनावपूर्ण हो गया। डॉक्टर ने तहरीर में लिखा है कि आरोपी शातिर प्रवृत्ति का प्रतीत होता है और किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है।

एसएसपी के निर्देश पर क्राइम ब्रांच व शाहपुर थाना पुलिस काल डिटेल रिकार्ड (सीडीआर) के जरिए जांच कर रही है धमकी देने वाला वास्तव में हिस्ट्रीशीटर है या किसी गैंग का नाम लेकर रंगदारी वसूलने की कोशिश कर रहा है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि आरोपित की पहचान कर जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर डाक्टर को सुरक्षा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पर्यावरणीय चुनौतियों पर एमजीयूजी में संगोष्ठी आज

संवाददाता-गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के ऑडिटोरियम में मंगलवार को विकास के समानांतर आसन्न पर्यावरणीय चुनौतियों पर विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ मिलकर किया जा रहा है। मंगलवार को सुबह 10 बजे से शुरू होने वाली संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में रैमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित और भारत के जलपुरुष के रूप में प्रसिद्ध डॉ. राजेंद्र सिंह शामिल होंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विकास के साथ पर्यावरणीय चुनौतियों रू साझा प्रयास से सतत विकास विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के बाद विषय केंद्रित दो विशेष पैनल सत्र आयोजित किए जाएंगे।

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता-गोरखपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, गोरखपुर के प्रतिनिधिमंडल ने 16 फरवरी को अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी का कार्य देख रहे अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनीत कुमार सिंह को ज्ञापन देकर कर्मचारियों और पेंशनरों की प्रमुख मांगें उठाईं। ज्ञापन में समय से आठवां वेतन आयोग लागू करने की मांग की गई। विलंब की स्थिति में 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता मूल वेतन में मर्ज कर अंतरिम राहत देने का आग्रह किया गया। साथ ही पेंशनरों को भी वेतन आयोग का लाभ देने, 65, 70, 75 और 80 वर्ष की आयु पर अतिरिक्त महंगाई भत्ता, रेल किराये में रियायत बहाली तथा कोरोना काल में स्थगित डीए एरियर का भुगतान करने की मांग रखी गई।

पंचायत चुनाव पर ब्रेक, दावेदारों को झटका, प्रधानों की खिली बांछें

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले में पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटे क्षेत्र के संभावित प्रत्याशियों को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के ताजा निर्देश के बाद साफ हो गया है कि पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन व उसकी रिपोर्ट के बिना चुनाव कराना संभव नहीं होगा। इस फैसले से जहां दावेदारों के अरमानों पर पानी फिर गया है। वहीं वर्तमान प्रधानों की बांछे खिल उठी हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर आरक्षण प्रक्रिया पर उठे सवालों के कारण चुनाव कार्यक्रम पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। जब तक पिछड़ा वर्ग आयोग अपनी सिफारिशें नहीं देगा, तब तक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की नई अधिसूचना जारी होना मुश्किल है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
सिविल रिवीजन सं0-91/2025
अदालत- श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला-बस्ती
मंदिर लक्ष्मी नरायण बाबा बसंतदास उदासीन सर्वराकार महंथ पण्डित जनार्दन प्रसाद शुक्ल
बनाम
धर्मदास कथित चेला ध्यान प्रकाश आदि

1. धर्मदास कथित चेला ध्यान प्रकाश उदासीन मंदिर गोलाघर अयोध्या उम्र 40 साल स्थान अयोध्या जिला अयोध्या हाल मुकाम नई बाजार बाबा बसंतदास मंदिर वार्ड नं-2 जिला बस्ती 2. विष्णुदास उर्फ राजेन्द्र सिंह चेला वीरान दास साकिन भरवलिया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब पोस्ट सबदेईयाकला तहसील व जिला बस्ती 3. पंचम दास निवासी स्थान उदासीन मंदिर नई बाजार वार्ड नं-2 बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती पोस्ट आफिस पुरानी बस्ती

तारीख पेशी 27-02-2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी श्रीमती रेनू पत्नी राजेश कुमार उपाध्याय मोहल्ला शिवपुरी कालोनी शास्त्रीनगर जनपद सिद्धार्थनगर की मूल निवासिनी है। प्रार्थिनी को विधवा पेंशन मिलता है जो पिछले तीन माह से बन्द हो गया। बैंक से पता करने पर बताया गया कि मेरे आधारकार्ड में फोटो व मोबाइल नम्बर किसी और का अपडेट हो गया है जो गलत है। उसे सही कराया जाय।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय-श्रीमान विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण सिविल अपील सं0 273/2025
प्रकीर्ण वाद सं0-92/2024
राजू आदि
बनाम
रामसजन आदि

1. रामसजन उम्र लगभग 41 साल पुत्र स्व0 रामबली 2. श्रीमती रीता देवी उम्र लगभग 40 साल पत्नी रामसजन 3. श्रीमती कौशिल्या उम्र लगभग 38 साल पुत्री रामसजन 4. श्रीमती रीना उम्र लगभग 32 साल पत्नी गोविन्द निवासीगण ग्राम माझाकला तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
-रेस्पान्डेन्टगण प्रथम वर्ग
5. श्रीमती मीरा उम्र लगभग 48 साल पत्नी रामभेज यादव 6. रामभेज यादव उम्र लगभग 52 साल पुत्र रामदुलारे यादव निवासीगण ग्राम बहडीला तप्पा मौलसा 7. भानु प्रताप सिंह वर्तमान प्रभारी अधिकारी थाना कलवारी जिला बस्ती 8. पवन मौर्या हल्का दरोगा लुफ्ताबाद वर्तमान प्रभारी अधिकारी पुलिस चौकी गांधी नगर थाना कोतवाली जिला बस्ती 9. अवधेश लाल श्रीवास्तव वर्तमान हल्का लेखपाल ग्राम माझा कला तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
-रेस्पान्डेन्टगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 18-02-2026

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 02 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0-D 202517140000648
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0-2006
अदालत- श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला-बस्ती
शिव प्रसाद आदि
बनाम
सुरेश कुमार आदि

1. सुरेश कुमार 2. विनोद कुमार 3. राधवेन्द्र कुमार पुत्र अमृतनाथ साकिनान मौजा उकड़ा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला-बस्ती
-प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. रामचन्दर पुत्र हरद्वार 5. दीप नरायन पुत्र हरिश्चन्द्र 6. प्रवीन कुमार पाठक पुत्र सीताराम (मृतक) 7. गुलाबदत्त पुत्र रामलखन 8. रामदत्त पुत्र रामलखन 9. सुवाष चन्द्र पुत्र त्रिलोकी 10. रविन्द्रनाथ पुत्र परमात्मा प्रसाद 11. अशोक कुमार पुत्र परमात्मा प्रसाद 12. राजनरायन पुत्र हरिश्चन्द्र 13. देवदत्त पुत्र रामलखन 14. सूर्यनरायन पुत्र बुद्धिसागर 15. पंकज पाठक पुत्र बुद्धिसागर 16. अनिल कुमार पुत्र जगदम्बा प्रसाद पाठक 17. सुनील कुमार पाठक 18. आनन्द कुमार पाठक पुत्रगण जगदम्बा प्रसाद पाठक 19. बेबी पुत्री जगदम्बा प्रसाद पाठक साकिनान मौजा उकड़ा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला-बस्ती 20. संजय पुत्र उदयभान (मृतक) 21. अशोक पुत्र उदयभान 22. नन्हे पुत्र उदयभान 23. श्रीमती किरन पत्नी अजय 24. श्रीमती प्रभावती पत्नी उदयभान 25. ध्रुवचन्द्र (मृतक) 26 रमेश चन्द्र 27. दिनेश चन्द्र 28. प्रमोद कुमार पुत्रगण ध्रुवचन्द्र 29. श्रीमती सुशीला पत्नी ध्रुवचन्द्र 30. रमेश चन्द्र पुत्र त्रिलोकी 31. शिवम पुत्र गिरीशचन्द्र (मृतक) 32. श्रीमती ज्ञानमती पत्नी गिरीश चन्द्र 33. आशीष 34. अंकुर पुत्रगण शिवनरायन 35. श्रीमती सुभावती पत्नी शिवनरायन साकिनान मौजा उकड़ा हाल मुकाम बंजरिया तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 36. सूर्यदीप पुत्र प्रहलाद निवासी उकड़ा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला-बस्ती
-प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
37. नगर पंचायत भानपुर जरिये अधिशाषी अधिकारी
-प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 23-02-2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 02 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
मुतफरका नं0- 274/2023
चन्द्रदेव आदि
बनाम
राधिका देवी

1 राधिका देवी पत्नी सच्चिदानन्द साकिन मुखलिसपुर तप्पा व परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 27-03-2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0- 803/1986
रामफेर आदि
बनाम
काशी आदि

7. चन्द्रिका प्रसाद उम्र लगभग 45 साल पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी ग्राम भगता तप्पा फिदाईपुर परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 06-04-2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत-श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0-217/2025
राम जियावन
बनाम
श्रीमती लालमती आदि

1. श्रीमती लालमती उम्र लगभग 49 वर्ष पत्नी काली प्रसाद साकिन भकरही तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
-प्रतिवादनी प्रथम वर्ग
2. नीरज सोनी उम्र लगभग 41 वर्ष 3. जितेन्द्र सोनी उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्रगण काली प्रसाद साकिन भकरही तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
-प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
4. अमरीश कुमार उम्र लगभग 46 वर्ष पुत्र जगन्नाथ ग्राम व पोस्ट विशेषरगंज तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. दिलीप कुमार उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्र रामलौट ग्राम व पोस्ट विशेषरगंज तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
-प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग
6. श्रीमती कृष्णावती उम्र लगभग 56 वर्ष पत्नी रामजियावन साकिन भकरही तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
-प्रतिवादनी चतुर्थ वर्ग

तारीख पेशी 15-03-2026

हरगाह मुद्दई मजकूरसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 03 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदां की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय-श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (ज0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0-458/2021
रामभवन आदि
बनाम
श्रीमती कलावती देवी आदि

2/1 अनुराग पाठक उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र स्व0 जय प्रकाश 2/2 खुशी पाठक उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्री स्व0 जयप्रकाश 2/3 श्रीमती कृष्णावती उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी स्व0 जयप्रकाश निवासीगण ग्राम बैसोलिया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
-प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 19-03-2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com